No. of Printed Pages : 7

BPYE-002

B. A. PHILOSOPHY (BPYE)
Term-End Examination
December, 2020

BPYE-002 : TRIBAL AND DALIT PHILOSOPHY

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Answer all the **five** questions. All questions carry equal marks. Answers to Question No. 1 and 2 should be in about **400** words each.*

1. Give an account of the impact of globalisation on the tribal life. 20

Or

Examine the significance of attractive Dalit historiographies.

2. Discuss the tribal's spiritual outlook on nature. 20

Or

Give an account of the philosophy of liberation with special reference to Dalits.

3. Answer any ***two*** of the following questions in about ***200*** words each : 10 each

   (a) Bring out the various forms of structural violence against Dalits.

   (b) Give an account of the tribals' conceptions of good and evil.

   (c) Examine the contributions of Ambedkar to national and social reconstruction.

   (d) Explain briefly the cultural outlook and expressions of the tribals.

4. Answer any ***four*** of the following questions in about ***150*** words each : 5 each

   (a) Give a brief account of the Dalit's outlook on the world.

   (b) Bring out the definition of "Dalit".

   (c) Examine briefly how the constitution of India protects the rights of the Dalits.

   (d) Can historiography be an effective tool for Dalit empowerment ?

   (e) Trace the transition from untouchability to Dalit movement.

   (f) What is the impact of globalization on Dalits ?

5. Write short notes on any **five** of the following in about ***100*** words each : 4 each

(a) Discrimination and alienation

(b) Deconstruction of marginalisation

(c) Village organisation

(d) Advasi identity

(e) Kinship system

(f) Subaltern historiography

(g) Concept of Hegemony

(h) Tribal wisdom

BPYE-002

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (दर्शनशास्त्र)

(बी.पी.वाई.ई.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2020

बी.पी.वाई.ई.-002 : जनजातीय एवं दलित दर्शन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : सभी **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। प्रश्न संख्या ***1*** और ***2*** में प्रत्येक का उत्तर लगभग ***400*** शब्दों में दीजिए।

1. जनजातीय जीवन पर वैश्वीकरण के प्रभाव का विवरण प्रस्तुत कीजिए। 20

अथवा

वैकल्पिक दलित इतिहास लेखन के महत्व का परीक्षण कीजिए।

2. प्रकृति के सम्बन्ध में जनजातीय आध्यात्मिक दृष्टि की विवेचना कीजिए। 20

अथवा

दलितों के विशेष सन्दर्भ में मुक्ति के दर्शन का विवरण प्रस्तुत कीजिए।

3. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग ***200*** शब्दों में दीजिए : प्रत्येक 10

(क) दलितों के विरुद्ध होने वाली विभिन्न संरचनात्मक हिंसाओं का विवरण दीजिए।

(ख) शुभ और अशुभ सम्बन्धी जनजातीय विचार का विवरण दीजिए।

(ग) राष्ट्रीय एवं सामाजिक पुनर्निर्माण में अम्बेडकर के योगदानों का परीक्षण कीजिए।

(घ) जनजातियों की सांस्कृतिक दृष्टि एवं अभिव्यक्ति की संक्षेप में व्याख्या कीजिए।

4. किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग ***150*** शब्दों में दीजिए : प्रत्येक 5

(क) विश्व सम्बन्धी दलित दृष्टि का संक्षिप्त विवरण दीजिए।

(ख) 'दलित' पद की परिभाषा को स्पष्ट कीजिए।

(ग) भारत का संविधान दलित अधिकारों को किस प्रकार संरक्षण प्रदान करता है, परीक्षण कीजिए।

(घ) क्या इतिहास लेखन दलित उद्धार का प्रभावी उपकरण हो सकता है ?

(ङ) अस्पृश्यता से दलित आन्दोलन में संक्रमण की प्रक्रिया को स्पष्ट कीजिए।

(च) दलितों पर वैश्वीकरण का क्या प्रभाव पड़ा है?

5. किन्हीं **पाँच** पर लगभग (प्रत्येक) ***100*** शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : प्रत्येक 4

(क) भेदभाव और अलगाव

(ख) हाशियाकरण का विखण्डन

(ग) ग्राम संगठन

(घ) आदिवासी पहचान

(ङ) नातेदारी प्रणाली

(च) पददलित इतिहास लेखन

(छ) आधिपत्य का प्रत्यय

(ज) जनजातीय प्रज्ञा